हेलो दोस्तो,

मेरा नाम बबलू हैं । मैं म.प्र. का रहने वाला हूँ । मैं आपको एक सच्ची कहानी सुनाना चाहता हूँ । मैं अपनी मां और पिता के साथ रहता हूँ । पिताजी का देहांत पहले ही हो चुका हैं । मेरी उम्र २० साल की हैं और मेरी मां जिसका नाम मीरा हैं की उम्र ४२ साल के लगभग हैं । मेरी मां आज भी बहुत खूबसूरत और सेक्सी लगती हैं । वह न ज्यादा मोटी हैं और न ही ज्यादा पतली । वो आज भी गोरी चिकनी और भरी पूरी हैं ।

मैं बी.कॉम. सेकेण्ड ईयर में था । मेरे साथ एक लडकी आरती पढती थी जिसे मैं चाहता था । वह बहुत सेक्सी और सुंदर थी । मेरा मन हमेशा उसको चौदने में लगा रहता । ख्यालों में उसे नंगा करके चोदता था । उसका नाम लेकर मूठ मारा करता था । आज मां बोलकर गई थी उसे आने में रात के १० बज जायेंगें । इसलिये खाना खा लेना । मैंने शाम को ७:३० बजे खाना खा लिया । आठ बजे मैं फ्री हो गया । मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं । मेरे मन में आरती का ख्याल आने लगा । मैं केवल अपनी अण्डरवियर में ही था । मैं आरती का नाम लेकर मूठ मारने लगा । बाहर बारिश होने लगी । मेरा मन और पागल हो गया । मैंनें अपनी अण्डरवियर खोली और लण्ड को मसलने लगा । मैं मूठ मारने में पूरी तरह खो गया । तभी आवाज आई - बबलू, ये तुम क्या कर रहे हो?यह सुनते ही मैं बूरी तरह चौंक गया । सामने देखा तो मां खडी थी । वह पूरी तरह से भीग गई थी । भीगने के कारण मां की लाल रंग की ब्रा और पेटीकोट साफ दिखाई दे रहा था । वह बारिश में भीगी हुई बहुत सेक्सी लग रही थी । पर मां होने की वजह से मैं ज्यादा सोच नहीं पाया ।

मां के सामने मैं चुपचाप नंगा ही खडा रहा । मैं और कर भी क्या सकता था । मां बोली - बबलू तुम ये क्या हरकते कर रहे हो । मां मेरे ओर पास आ गई । वह मेरे नंगे बदन को देखकर आश्चर्यचकित थी । मां की नजर मेरे ४.५ के लंड पर पडी जो अभी तनकर खडा था । उसे देखकर मां अपनी नजरे नहीं हटा पाई और देखती ही रही । वह फिर से बोली - बबलू तुम सचमुच बडे हो गये हो । मैं तुम्हें बच्चा ही समझती थी और तुम अब जवान हो रहे हो । मैंने डरते हुए कहा - सॉरी मां । मैं अपने आप पर कंट्रोल नहीं कर सका । मां बोली - कोई बात नहीं बेटा । जवानी में अक्सर ये होता हैं । पर ये आरती कौन हैं जिसका नाम लेकर तू मूठ मार रहा था । मैं बोला - मेरे साथ पढती हैं मां । उसको देखकर पता नहीं मुझे क्या हो जाता हैं । और जो नहीं करना चाहिए वो भी करता हूँ । मां बोली - तुम उसे चौदना चाहते हो क्या?मां के मुंह से ये शब्द सुनकर मैं चकित रह गया क्योंकि मेरी मां जो एक टीचर हैं ऐसे शब्द बोल सकती हैं मैं सोच भी नहीं सकता था । मैंने हॉ में अपना सिर हिला दिया । मां बोली - वो तो ठीक हैं लेकिन क्या तुम्हें चौदना आता भी हैं । मैंने कहा - मां मैंने कुछ गंदी किताबों में पढा हैं कि चुदाई कैसे की जाती हैं । मैंने कुछ हिम्मत करके कहा । बेटा गंदी किताबों में कुछ हद तक सही होता हैं लेकिन उसमें कल्पना अधिक होती हैं । "तो फिर मुझे कौन सिखायेगा मां?" मैंने भोलेपन से कहा तो मां बोली मैं सीखाउंगी बेटा । तेरे पापा नहीं हैं तो क्या हुआ, मैं तो हूँ ना । मैंने बोला - क्या?आप सिखाओगी मुझे । मां बोली - हां बेटा में सीखाउंगी । तू मेरे बेडरूम में चल । आज तुझे सब सिखा दूंगी । यह कहकर मां मुस्कुराने लगी । मुझे लगा आज कुछ न कुछ गडबड जरूर होगी ।

मां ने अपने कपडे उतार दिये और ब्रा पेंटी में बेडरूम में आ गई । मैं नंगा ही उनके बेड पर बैठा था । उनको ब्रा पेंटी में देखकर मेरे होश उड गये । वह बला की सेक्सी नजर आ रही थी । मैं कैसी लग रही हूँ बबलू । मैंने कहां मां आप तो गजब की सुंदर और सेक्सी लग रही हो । काश आप मेरी बीवी होती । यह सुनकर मां बोली 'तो समझ में आज मैं तेरी बीवी हूँ और तू मेरा पति हैं।' यह आप क्या कह रही हैं मां। मां ने टोकते हुए कहा - तुम्हें चुदाई सीखना हैं तो आज मुझे अपने बीवी बनाना ही पडेगा । मैंनें हॉ में सिर हिला दिया । मां मुझसे चिपक कर बेड पर बैठ गई।

उनके चिपकते ही मेरे शरीर में बिजली सी दौड गई । मां ने मेरी जांघ पर हाथ रख दिया । मैं नर्वस हो रहा था । मैं अपने आप को समझा नहीं पा रहा था । मां मेरी हालत समझ गई । उन्होंने प्यार से मेरे सिर पर हाथ फेरा और कहा । अगर तुम्हें आरती को चौदना हैं तो पहले चूदाई सीखना तो पडेगी । और मैं तुम्हारे साथ हूँ ना । तुम नर्वस मत होओ और जैसा मैं कहती हूँ वैसा करना । यह सुनकर मैंने अपने आप को किसी तरह तैयार किया । मां ने बहुत देर तक मुझे समझाया कि मुझे क्या करना हैं?उन्होंने स्टेप-बाई-स्टेप मुझे समझाया और वैसा ही करने को कहा । मुझे समझाने के बाद मां बेड पर सीधी लेट गई । मैं उनके उपर चढ गया ।

अब मैं मां के उपर था । मैंने उनके बंधे हुए बाल खोल दिये । उनके गालों को किस किया ।उसके बाद मैंने उनके रसीले होंठों पर अपने होंठ रख दिये । आहिस्ता आहिस्ता मैं उनके रसीले होंठों को चूसने लगा । होंठों को चूसने के साथ-साथ ही मैं उनके मुंह में जीभ डाल रहा था जिसे मां बडे प्यार से चूस रही थी ।१० मिनट तक मैं उनके होंठो को चूसता रहा । मैंने उनकी गर्दन पर किस किया । मेरे हाथ उनकी ब्रा तक पहुंचे । धीरे से मैंने हाथ पीछे करके उनकी ब्रा खोल दी और उनके मस्त बूब्स को दबाने लगा । उनकी चूंचियों को मुंह में लेकर

(c) 2008, www.antarvasna.com. All rights reserved with Antarvasna.com. NOT FOR MINORS(Below 18)

चूसने लगा । मां के मुंह से सिसकारी निकलने लगी । उन्हें बहुत मजा आ रहा था क्योंकि आज सालों बाद उन्हें सेक्स का मौका मिला था । बहुत देर तक मैं उनकी चूंचियों को मुंह में लेकर चूसता रहा । धीरे-धीरे मैं नीचे सरकने लगा । मां के पेट को किस करने लगा । किस करते करते मेरा हाथ उनकी पेंटी में चला गया । मैंने एक उंगली उनकी चूत में डाल दी । उनके मुंह

से आहहह निकल पडी । मैंनें उनकी पेंटी खोलकर उन्हें नंगा कर दिया । और अपनी जीभ से उनकी गुलाबी झांट से भरी चूत को चूसने लगा । चूसते चूसते ही मां झर गई । मैंने सारा पानी चट कर दिया । मैं उपर आया तो मां बोली - बेटा थोडी ओर चूस अपनी मां की चूत को । कसम से बहुत मजा आ रहा हैं आज सालो बाद । तू मेरी तरफ अपने लंड को रख और मेरी चूत का चूस । मेरे मुंह में तेरा लंड आ जायेगा और मेरी चूत में तेरा मुंह आ जायेगा । इस प्रकार हम ६९ की स्थिति में हो गये । मां मेरे लंड को लॉलीपॉप समझकर चूसने लगी और मैं फिर से चूत को चूसने में लग गया । पांच मिनट बाद मैं झरने वाला था । मेरा शरीर एकदम से अकडने लगा । मै कुछ करता उसके पहले ही सारा माल निकलकर मां के मुंह में चला गया । मां सारा माल चाट गई । मैंने पूछा मां अब क्या करेंगें । मां बोली - अपना मां के मुह में लंड देकर मां बोलता हैं । मुझे मीरा ही बोल । क्योंकि मैं तेरी बीवी हूँ । मै थोडा सा झेंप गया । फिर बोला - चल मीरा मेरे लौडें को चूस और जल्दी से खडा कर, तेरी चूत में लंड डालकर चौदूंगा तुझें । मीरा मेरे लंड को चूसने लगी और मेरा लंड फिर से खडा हो गया ।

मैंने मीरा को सीधा लेटाया और लंड को चूत के निशाने पर रखकर एक धक्का दिया । मीरा के मुंह से चीख निकल पडी । मैं डर गया । मीरा बोली - तू डर मत बहुत दिनों बाद किया हैं इसलिए चूत टाईट हो गई हैं । मैं कितना भी चिल्लाउ पर तू पूरा लंड मेरी चूत में डाल दे । मैंनें फिर अपने लंड को धक्का दिया और पूरा लंड मीरा की चूत में चला गया । मां की फिर चिख निकली पडी । मीरा के बताये अनुसार मैंने धीरे-धीरे अपने लंड को पेलना शुरू कर दिया । मीरा ने आंखे बंद कर ली और मस्त हो गई । मुझे लंड पेलने में इतना अधिक आनंद आया । ऐसा लगा जैसे में स्वर्ग में पंख लगाकर उड रहा हूँ । कुछ दरे बाद मैंने स्पीड तेज कर दी । मीरा मेरी पीठ पर हाथ फिरा रही थी । अब वह चूत उछाल-उछालकर मेरा साथ देने लगी । मैंने मीरा की कमर को पकडा और तेज धक्के लगाने लगा । मीरा के मुंह से आहहह उहहहह निकलती रही । १० मिनट बाद मैं झरने वाला था । मैंने मीरा से कहा मेरा माल निकलने वाला हैं । मीरा बोली उसे चूत में ही निकाल दे । मैंने पूरा वीर्य मीरा की चूत में भर दिया । हम दोनों ही एक अलग दुनिया से वापस आये और ठंडे होकर पड गये ।

मैंने मीरा से बोला - मीरा तू तो बहुत सेक्सी हैं । तेरी चौदने में जो मजा आया हैं मैं बता नहीं सकती । मीरा बोली - बबलू तूने भी बहुत अच्छे तरीके से मुझे चौदा । तुझसे चुदवाने में बहुत मजा आया । थोडी देर बाद मैं मीरा से बोला - चल मेरे लौडे को जल्दी से चूसकर बडा कर दे । अब तेरी गांड मारूंगा मैं । मीरा बोली - क्या बात हैं मेरे शेर । तू तो बहुत सयाना निकला । चल तेरी यह इच्छा भी पूरी कर देती हूँ । जां पहले तेल लेकर आ उससे गांड मारने में आसानी होगी । मैं तेल लेकर आ गया । मीरा मेरे लौडे को चूसने लगी । मेरा लौडा फिर से तनकर खडा हो गया । मीरा ने ढेर सारा तेल मेरे लौडें पर चौपड दिया और मैंने उसकी गांड के छेद में तेल भर दिया । मीरा घोडी बन गई और मैंनें अपना लंड उनकी गांड के दरवाजे पर रखककर धक्का मारा । आधा लंड गांड के अंदर चला गया और मीरा चीख पडी । मैं समझ गया कि गांड मारने में मेरे पीसने आ जायेंगें । यदि मीरा पहले से मेरे बाप से चूदी न होती तो आज अपने काम लग जाते । मैंने फिर धक्का मारा । दो-तीन धक्कों में लंड पूरा अंदर चला गया । तेल लगा होने की वजह से लंड आराम से अंदर बाहर हो रहा था । १० मिनट तक मैंनें गांड मारी और अपनी स्पीड तेज करने के बाद सारा माल मीरा की गांड में डाल दिया । मीरा की गांड माल से भर गई और उसका मन आनंद से भर उठा । उसके बाद हम दोनों नंगे ही सो गये । सुबह उठकर साथ में नहाये और रोज की तरह अपना काम करने लगे ।

उसके बाद मैं अक्सर मीरा यानि अपनी मां को चौदने लगा क्योंकि घर पर हम दोनों के अलावा कोई था ही न ही । जब इच्छा होती मैं मीरा को चौदता । अब मैं उसे अकेले में मीरा ही कहने लगा था । बाद में मीरा ने किस तरह से आरती को चुदवाने के लिय तैयार किया उसकी कहानी अगली बार सुनाउंगा । आपको कहानी कैसी लगी यह मेरे ईमेल आईडी **mr.deewana_tera@rediffmail.com** पर जरूर बताईयेगा । म.प्र. की सेक्सी आंटी, भाभी या टीचर जिसकी चुदवाने की इच्छा हो वो मेरे मेल पर संपर्क कर सकती हैं । यह बात सिर्फ मेरे और आपके बीच ही रहेगी ।

वापस जाने के लिए क्लिक करें (http://www.antarvasna.com)

http://www.fsiblog.com – भारतीय सेक्स ब्लॉग

http://www.indiansexstories.net – भारतीय कहानियों का विशाल संग्रह

http://www.desikamasutra.com – गरमागरम तस्वीरें

http://www.masalapornmovies.com – हॉट एवं सेक्सी भारतीय फिल्में

(c) 2008, www.antarvasna.com. All rights reserved with Antarvasna.com. NOT FOR MINORS(Below 18)